भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-338

उत्तर देने की तारीख-16/03/2026

उच्च शिक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश

†*338. **श्री राजीव राय:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी-2020) में भारत में उच्च शिक्षा में विनियमन के अध्यधीन लाभकारी भागीदारी की परिकल्पना की गई है;

(ख) यदि हां, तो क्या घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों को पारदर्शी तरीके से भागीदारी का यह विकल्प उपलब्ध है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के बाद से देश में विदेशी विश्वविद्यालयों/शैक्षिक केंद्रों/कारपोरेट निकायों और भारतीय निवेशकों द्वारा राज्य-वार कितने उच्च शिक्षण संस्थान खोले गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

उच्च शिक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री राजीव राय द्वारा दिनांक 16.03.2026 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 338 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने के लिए उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देती है।

एनईपी के अनुसार भारत में विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों की उपलब्धता से भारतीय छात्रों को वैश्विक शिक्षा तक पहुंच मिलेगी, अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन मिलेगा और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों को विदेश यात्रा करने की आवश्यकता कम होगी।

एनईपी 2020 में अन्य बातों के साथ-साथ शिक्षा के व्यावसायीकरण पर रोक लगाने की परिकल्पना की गई है, जिसमें कहा गया है कि नियंत्रण और संतुलन के साथ अनेक तंत्र उच्च शिक्षा के व्यावसायीकरण का सामना करेंगे और उसे रोकेंगे।

शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप, सरकार द्वारा भारत में विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों (एफएचईआई) के शाखा परिसरों की स्थापना को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) (भारत में विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन) विनियम, 2023" जारी किए गए हैं। यूजीसी ने ऑस्ट्रेलिया, इटली, यूनाइटेड किंगडम और यूएसए के 13 एफएचईआई को भारत में विभिन्न स्थानों पर अपने परिसर स्थापित करने के लिए 14 आशय पत्र (एलओआई) जारी किए हैं, जिनमें बेंगलुरु (कर्नाटक), दिल्ली एनसीआर, मुंबई (महाराष्ट्र) और चेन्नई (तमिलनाडु) शामिल हैं। इनमें से, साउथैम्पटन विश्वविद्यालय, यू.के. ने अगस्त 2025 में गुरुग्राम, हरियाणा में अपने परिसर में अपना पाठ्यक्रम शुरू किया।

*****